20 Years of Celebrating the Arts

India Foundation for the Arts

I F A

इंडिया फाउंडेशन फॉर दी आर्ट्स

इंदिरा गाँधी राष्ट्रीय मानव संग्रहालय
की सहकारिता में

आमंत्रित करता है

२ म्यूज़ीअम फेलोशिप्स के लिए आवेदन

अंतिम तिथि: ३१ मई, २०१६

इंडिया फाउंडेशन फॉर दी आर्ट्स, इंदिरा गाँधी राष्ट्रीय मानव संग्रहालय के सहयोग में दो फेलोशिप्स के स्थान के लिये आवेदन आमंत्रित करता है।

यह फेलोशिप्स कलाकारों अथवा अभ्यास कर्ताओं के लिए संग्रहालय के संकलन द्वारा सामाजिक संलग्न्ता के नए, रचनात्मक और आलोचनात्मक साधन उपलब्ध कराने एवं संग्रहालय स्थल को संवाद और सम्भाषण के गढ़ के रूप में सक्रिय करने के दोहरे उद्देश्य से आरम्भ की गयी हैं। (अधिक जानकारी के लिए www.indiaifa.org पर लॉग इन करें।)

इंदिरा गाँधी राष्ट्रीय मानव संग्रहालय भोपाल स्थित है। २०० एकड़ पर फैले हुए इस नृवंशविज्ञान के केंद्र की स्थापना १९७७ में की गई थी। इसके आंतरिक और बाहरी दालानों में लगभग २५००० पारम्परिक एवं सांस्कृतिक वस्तुओं का संग्रह देश की विभिन्नता और प्रचुरता को उभारने के उद्देश्ये से किया गया है।

<u>संग्रहालय के विषय में</u>

भोपाल स्थित इंदिरा गाँधी राष्ट्रीय मानव संग्रहालय कलाकारों, मानवविज्ञानिकों, डिज़ाइनर्स,वास्तुकारों इत्यादि के लिए एक अत्युत्तम संसाधन है। संग्रहालय में आंतरिक और बाहरी प्रदर्शनी वस्तुएं है: बाहरी संकलन में जीवनाकार निवासस्थान हैं जिन्हे विभिन्न आदिवासी समुदायों के लोगों ने स्वयं अपने पारम्परिक सामग्रियों से निर्मित किया है। आंतरिक दालानों की वस्तुओं का संकलन भी समुदायों के सदस्यों की सक्रिय भागीदारी से किया गया है।

संग्रहालय के संकलन का वर्गीकरण १७ कार्यात्मक श्रेणियों में किया गया है जिनके अंतर्गत कृषिकर्म, पशु पालन, कल और शिल्प, टोक्रिसाजी, मत्स्य ग्रहण, खेल और मनोरंजन, घरेलू वस्तुएं, शिकार के औजार, संगीत वाद्ययंत्र, नशीले पदार्थों का आडम्बर, आभूषण, अनुष्ठान सम्बन्धी वस्तुएं, कटाई बनाई का सामान, कपडे और परिधान, टेक्सटाइल, यात्रा और परिवाहर के साधन शामिल हैं। इनमें से अधिकतर वस्तुएं देश भर के अलग अलग समुदायों और क्षेत्रों में फील्ड वर्क द्वारा एकत्र की गयी हैं। बाकी का संकलन अन्य संस्थाओं के संग्रहों में से लाया गया हैं।

संग्रहालय के विषय में अधिक जानकारी के लिए उनकी वेबसाइट http://igrms.com पर जाएँ। संकलन के विषय में यदि सूचना प्राप्त करनी है तो श्री अरुण कीरो को संपर्क करें arunkiro@hotmail.com अथवा directorigrms@gmail.com.

फेलोशिप के विषय में

इस फेलोशिप का उद्देश्य आधुनिक समाज में नृवंशविज्ञान की भूमिका सम्बन्धी पुनर्विचार करना है। इसके द्वारा सहभागियों को मानवजाति विज्ञान आधारित संग्रहालयों के इतिहास पर चिंतन करने का अवसर प्राप्त होगा। साथ ही उस उपनिवेशी मनिवृत्ति पर भी विचार करने का अवसर होगा जिनके परिणामस्वरूपय ये सक्रीय हुए और आज के भूमंडलीकृत समाज में इनको किस प्रकार समझा जाए। कलाकृतियों के समूह को दृश्य प्रयोग एवं अनुसन्धार का विस्तार बिंदु मान कर सहभागियों को प्रस्तुत वस्तुओं को उनके राजनैतिक, आर्थिक, धार्मिक और सामजिक सन्दर्भ में स्थापित करते हुए उनके नए तात्पर्य एवं अर्थ खोजने के लिये प्रोत्साहित किया जाएगा।

आशा की जाती है की विवेचना, व्याख्या एवं प्रदर्शित करने के इन वैकल्पिक तरीकों के परिणामस्वरूप प्रदर्शनी, वार्ता, वर्कशॉप आदि सार्वजनिक गतिविधियां दस माह के अंतराल में होती रहेंगी।

आवेदन सम्बन्धी आवश्यकताएँ/ आवेदन प्रक्रिया एवं आवश्यक तिथियां

आवेदक सम्बन्धी जानकारी: इस फेलोशिप के लिए हम संग्रहालयाध्यक्ष (क्यूरेटर), कला इतिहासकार (आर्ट हिस्टोरियन), कलाकार, डिज़ाइनर्स और अन्य व्यक्ति जिन्हे प्रबंधकीय कार्य में अनुभव है, और अनुसंधान और संग्रहों सम्बन्धी कार्य करने में विशेष रूचि हैं, योग्य हैं। संग्रहालय के विस्तार और भिन्नता की आवश्यकतानुसार आवेदकों से अंतः विषय एवं सहयोगी कार्य की अपेक्षा है।

भारतीय मूल के अथवा पांच वर्ष से अधिक भारत में निवास करने वाले व्यक्ति इस फेलोशिप के आवेदक हो सकते हैं।

आर्थिक एवं अन्य सहायता : प्रत्येक फेलोशिप २, ००, ००० रूपये का मानदेय दस माह के लिए उपलब्ध कराती है। प्रदर्शनी और अन्य गतिविधियों के लिए अतिरिक्त बजट दिया जाएगा।

आव्यश्यक तिथियां:

आवेदन पत्र प्राप्त करने की अंतिम तिथि : ३१ मई, २०१६
चयनित अवधकों को सूचित करने की तिथि: १० जून २०१६
साक्षात्कार की अपेक्षित तिथि: २५ जून २०१६ के पहले
फेलोशिप प्रारम्भ होने की तिथि : १५ जुलाई, २०१६

<u>आवेदन प्रक्रिया:</u>

आवेदन पत्र में निम्न होना आवश्यक है :

१) इंदिरा गाँधी राष्ट्रीय मानव संग्रहालय के संकलन से प्रेरित होने वाली प्रदर्शि और सार्वजनिक गतिविधियों का संक्षिप्त वर्णन। इस वर्णन में आवेदक का दृष्टिकोण, कार्यशैली और संभव परिणाम स्पष्ट होने चाहिए।

२) यदि यह दो आवेदकों का सहयोगी कार्य है, तो इस सहयोगिता का कारण और प्रत्येक से अपेक्षित योगदान का वर्णन।

३) उद्देश्य कथन जो आवेदक को फेलोशिप से मिलने वाले सहयोग पर प्रकाश डाले. यह फेलोशिप आवेदक के कार्य को किस प्रकार प्रभावित करेगी?

४) संग्रह संबधी पिछले कार्य का संक्षिप्त वर्णन। उस कार्य के उद्देश्य, कार्यशैली और परिणाम का वर्णन. साथ ही उस कार्य की ६-८ स्कैन्ड या प्रिंटेड छवियाँ (समय और दिनांक सहित), डीवीडी (४ मिनट या उससे काम की) केटालॉग, कला की छवियाँ, परफॉर्मेंसेस, कार्य सम्बन्धी समीक्षाएं।

६) व्यक्ति वृत्त (करिकुलम वाईटे).

आईऍफ़ए विशेषकर अंग्रेजी के अतिरिक्त अन्य भारतीय भाषाओं के प्रोजेक्ट्स को उस भाषा विशेष के सम्भाषण के प्रति योगदान के उद्देश्य से प्रोत्साहित करता है।

फेलोशिप सम्बन्धी पूँछतांच के लिए संपर्क करें suman@indiaifa.org
T:(080) 23414681/82

अपने आवेदनपत्र 'IGRMS Fellowship' चिन्हित लिफ़ाफ़े में आईऍफ़ए को ३१ मई, २०१६ तक पहुंचा दें। इसकी एक सॉफ्ट कॉपी suman@indiaifa.org पर भेज दें।

IGRMS Museum Fellowship (आई जी आर एम एस म्यूज़ीअम फेलोशिप)

इंडिया फाउंडेशन फॉर दी आर्ट्स
‘अपूर्वा’, ग्राउंड फ्लोर, नंबर २५९,
४ क्रॉस, आर एम वी २ स्टेज, २ ब्लॉक,
बैंगलोर ५६००९४, इंडिया